केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - १

रविवार, ७ जुलाई, २०१३ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण (३३)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण (३२)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
विभाग-३, कुल गुण		
	१३ (१०)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં .....

ચેકર - નામ

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid.**
6. Marks for Question → | **1** Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''मेरा नैष्ठिक ब्रह्मचर्य अखंडित रहे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''भगवान का भजन कर कि तेरा स्वामी और तेरे स्वामी का भी स्वामी भगवान हमें जल्दी मिल जाएँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''इस दीवाल में यह जो गोखा है, वह एक दिन साधु के धर्म में छिद्र जरूर करेगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. लालजी सुथार ने लोजपुर का रास्ता पकड़ लिया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. हनुमानजी ने रामजी मन्दिर के सभी साधुओं की भारी पिटाई की ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		नाम	प्र - ३ गुण - ५		नाम

३. लाखा कोली की आँखों से आँसू बहने लगे ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. राजा रणजितसिंह को उपदेश । २. प्रलोभन का त्याग । ३. धर्मधुरा धारण ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ५		नाम	प्र - ५ गुण - ४		नाम	प्र - ६ गुण - ४		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. नीलकंठवर्णी ने गृहत्याग कब किया ? गुण : १

.....

.....

२. नीलकंठवर्णी के दाये पैर में कौन से चिह्न थे ? गुण : १

.....

.....

३. ताजी कमलककड़ी खाने जाते वक्त नीलकंठवर्णी ने किसका मोक्ष किया ? गुण : १

.....

.....

४. नीलकंठवर्णी ने अपना भविष्य का नाम सहजानंद किस को और कहाँ बताया ? गुण : १

.....

.....

५. सिरपुर में कौन से राजा शासन करते थे ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. मोहनदास को नीलकंठवर्णी के दर्शन । गुण : २

(१) ☐ मुझे पुलहाश्रम का मार्ग दर्शन करें । (२) ☐ हिमालय की तलहटी में मैं रास्ता भूल गया हूँ ।

(३) ☐ आप तो निर्दोष हैं । (४) ☐ मार्ग भूले हुए मुमुक्षुओं को मार्ग दिखाने घूम रहा हूँ ।

२. सिरपुर में आसुरी उपासक । गुण : २

(१) ☐ गोपालदास को मंत्र-विद्या से मूर्च्छित कर दिया ।

(२) ☐ तांत्रिक यह देखकर हैरान रह गए ।

(३) ☐ वटवृक्ष सूख गया ।

(४) ☐ नीलकंठवर्णी के सामर्थ्य से सभी मूर्च्छित तांत्रिक सचेत हुए ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. नीलकंठवर्णी के संकल्प से ..... शहर ..... लगा । गुण : १

२. नीलकंठवर्णी जनकपुर में ..... सरोवर के तट पर आ पहुँचे । गुण : १

३. ..... स्वामी ..... की बावड़ी में पानी भरने आये । गुण : १

४. नीलकंठवर्णी की दीक्षा तिथि कार्तिक ..... है । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम	प्र - ८ गुण - ४		नाम

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''एक नख जितनी धरती पर भी बिना आपके दूसरा भगवान कहीं नहीं दिखाई देता ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''इसके बराबरी का कोई साधु नहीं है और मेरे बराबर दूसरा कोई भगवान नहीं है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''मैं आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन करके प्रभुभक्ति करना चाहती हूँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. आशाभाई शास्त्रीजी महाराज के विशेष निकट आये ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. रथ से उतर कर जीवुबा नंगे पैर चल निकलीं ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ५		नाम

प्र. ९ 'श्रीजीमहाराज ने मुनिबावा को करवाई हुई निष्ठा ।' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ४		नाम	प्र - ११ गुण - ६		नाम

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. देवानंद स्वामी का बचपन का नाम क्या था ? | गुण : १ |

.....

.....

२. ब्रह्मानंद स्वामी के रचित प्रसिद्ध ग्रंथ में से किसी चार ग्रंथ के नाम दिजिए । | गुण : १ |

.....

.....

३. निर्गुणदास स्वामी की धाक और प्रभाव कैसा था ? | गुण : १ |

.....

.....

४. महायोगी के पैरों में पड़ते वक्त जोबनपगी के हृदय में कैसा भाव जागा ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : आशाभाई में से यज्ञप्रियदासजी ।

१. वही ज्ञान का भंडार उन्होंने खोल दिया । **२.** अपनी ७० वर्ष की आयु में योगीजी महाराज के वरद करकमलों से भागवती दीक्षा ली । **३.** वकील के यहाँ से आवश्यकता के अनुसार पैसे मँगवाये और स्वामीश्री के चरणों में धर दिए । **४.** वे समझ गये कि उनको परखने के लिए स्वामीश्री ने ही यह सब कुछ किया है । **५.** 'मोटा स्वामी' के दुलार के नाम से पुकारे जाने लगे । **६.** 'यज्ञप्रियदास' नाम धारण किया । **७.** रढु के मकान में साल की पूरी फसल और सारी मालमिलकत आग में भस्म हो गई । **८.** अटलादरा के मन्दिर के लिए मूर्तियाँ खरीदने के लिए पैसे लेने के लिए यहाँ आये तो यह संकट आ पड़ा । **९.** १७ वर्ष तक सत्संग की अविरत सेवा की । **१०.** यह तो अटलादरा के कार्य में संकट आया । **११.** अटलादरा मन्दिर में मूर्तिप्रतिष्ठा का समय निकट था । **१२.** योगीजी महाराज के साथ वे पूर्व अफ्रीका भी गये थे ।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **भक्तराज दरबार श्री झीणाभाई :** काठियावाड की धरती पर चरोत्तर प्रदेश में पंचाला नामक एक छोटा-सा गाँव है । कुमारपाळ के वंशज, गोहिल झाला - राजपूत ठाकुर कनुभा के कुमार ही झीणाभाई ।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

२. **सद्‌गुरु शुकानंद स्वामी :** संवत् १८६२ के फाल्गुन मास में नित्यानंद स्वामी ने सत्संग की रीति से उनको वर्तमान दिए और उनका शुकानंद स्वामी नाम रखा ।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

३. **भक्तराज जोबनपगी :** दोपहर कुछ संत स्वामी के दर्शन को गये, तो खोड़ाभाईने कहा : स्वामी बीमार हुए हैं, इसलिए अभी तक वे सोये हैं । एक घंटे के बाद तलाश की तो देखा पलंग खाली है ।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

४. **भक्तराज जीवुबा :** सोमला खाचर वैसे तो आत्मानंद स्वामी के शिष्य थे । उन्होंने मुक्तानंद स्वामी को दीक्षा दी है, इस बात से वे परिचित थे ।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. सद्‌गुणों के सागर प्रमुखस्वामी महाराज ।
२. व्यवहार बात करेगा ।
३. योगीजी महाराज का युवकों को चारित्र्यबोध ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - १०		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक

केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें